हुंण नहीं जाणां बरसाना छडके बाहर लाडली

तरज़- सोणें लगदे ने मैनूं ते हार वे श्यामा

हुंण नहीं जाणां बरसाना,छडके बाहर लाडली
मैं मर जाणां बरसाना,छडके बाहर लाडली
रखलो रखलो बरसाना,इस बार लाडली
हुंण नहीं....

मन विषेयां विकारां विच डोलदा,बिन
बुलाया ना राधे राधे बोलदा
ऐ नहीं डरदा जद करदा ऐ,अहंकार लाडली
मैं मर जाणां बरसाना,छडके बाहर लाडली
हुंण नहीं जाणां बरसाना,छडके बाहर लाडली
हुंण नहीं....

जग वैख़या मैं ठौक वजाके,गल मुकदी ऐ पैसेयां ते आके
सारे झुठे ऐ मतलब दा,संसार लाडली
मैं मर जांणा बरसाना छडके बाहर लाडली
हुंण नहीं....

नाम आम्रित पिलाईयो रस घोलके,मैं वी
मारूंगी चिकां दिल खोलके
जल्दी आईयो नहीं होन्दां,इन्तजार लाडली
मैं मर जांणा बरसाना,छडके बाहर लाडली
हुंण नहीं....

मेरी मुक गई जमानें वाली क़ैद वे,मैंनूं
मिल गये ने दिल वाले वैद वे
श्री हरिदासी कई जन्मां दी,बिमार लाडली
मैं मर जाणां बरसाना,छडके बाहर लाडली
हुंण नहीं जाणां बरसाना,छडके बाहर लाडली
हुंण नहीं....

बाबा धसका पागल पानीपत

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/35246/title/hun-nahin-jana-barsana-chadke-bahar-ladli

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |